आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 3/अंक 1/जनवरी 2023
Received:31/12/2022; Published:31/01/2023

प्रेमयोग

डॉ. नीता दौलतकर

मूल: कुसुमाग्रज (मराठी)

प्रेम,
किससे करें?
किसी से भी करें।
प्रेम,
राधा के वत्सल स्तनों से करें
कुब्जा के कुरुप कुब्ज से करें
भीष्मद्रोण के थके हारे पावन चरणों से करें ,
दुर्योधनअपराजित मृत्यु से करें ,कर्ण के अभिमानी-
प्रेम किसी से भी करें।
प्रेम,
सुदामा नाम के ब्राह्मण से करें
अर्जुन नाम के राजेन्द्र से करें
बन्सी से लहराती सप्त सुरों की चांदनी से करें
यमुना-जल को जहरिला करनेवाले
कालिया के फन से करें।
प्रेम किसी से भी करें।
प्रेम,
रुक्मिणी के आरक्त अधरों से करें
वक्रतुंड के हास्यास्पद उदर से करें
गाय के नेत्रों की अथाह करुणा से करें
मयुर पंख के अद्भुत लावण्य से करें
प्रेम ह्रदय के रिश्तों से करें
प्रेम खड्ग की धार से करें
प्रेम किसी से भी करें।
प्रेम
गोपियों की मादक लीलाओं से करें

पेंद्या की तुतली बातों से करें
यशोदा के दूध सेदेवकी की आँसुओं से ,
प्रेम बलराम के हलाग्र से करें
कंस के ह्रदय में पलती द्वेषाग्नि से करें
जो तारनहार है उससे तो करें ही
पर जिसे मारना है उससे भी करें
प्रेम किसी से भी करें।
प्रेम,
योग से करें
भोग से करें
और उससे भी ज्यादा
त्याग से करें।
चतुर्थ पुरुषार्थों का नशा चढानेवाले जीवनरस से करें
व्याध के तीर से आहत
वन में नितांत अकेले पडे
अपने शव से भी करें।
प्रेम किसी से भी करें
क्योंकि
प्रेम मानव संस्कति का सारांश है
उसके इतिहास का निष्कर्ष है
और
भविष्य के अभ्युदय की
एकमात्र आशा है।

****